पाठ – संधि (स्वर संधि)

(Worksheet)

दीर्घ संधि और गुण संधि के उदाहरण :–

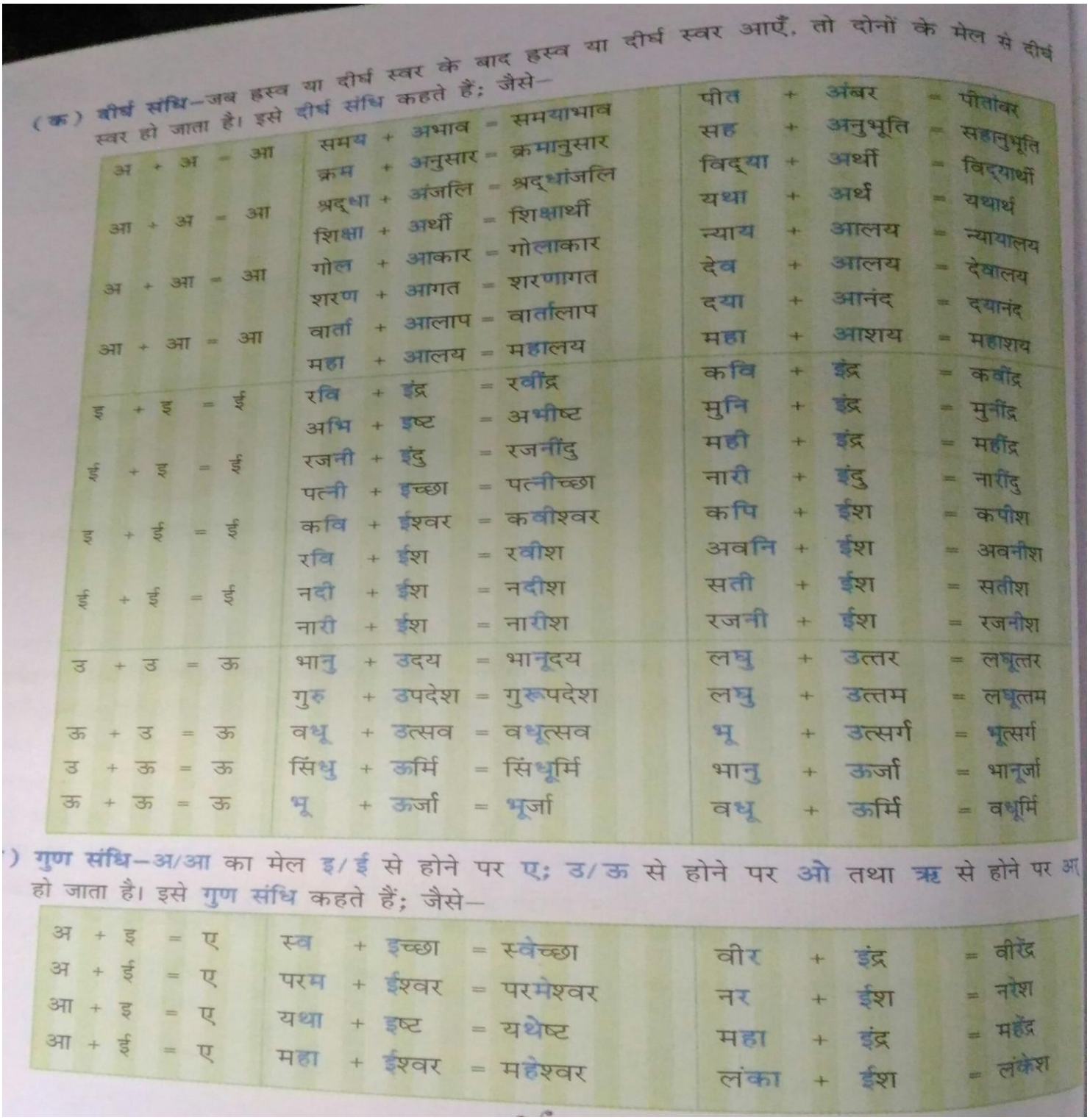

(क) **दीर्घ संधि**–जब ह्रस्व या दीर्घ स्वर के बाद ह्रस्व या दीर्घ स्वर आएँ, तो दोनों के मेल से दीर्घ स्वर हो जाता है। इसे **दीर्घ संधि** कहते हैं; जैसे–

अ + अ = आ	समय	+	अभाव	= समयाभाव	पीत	+	अंबर = पीतांबर
	क्रम	+	अनुसार	= क्रमानुसार	सह	+	अनुभूति = सहानुभूति
आ + अ = आ	श्रद्धा	+	अंजलि	= श्रद्धांजलि	विद्या	+	अर्थी = विद्यार्थी
	शिक्षा	+	अर्थी	= शिक्षार्थी	यथा	+	अर्थ = यथार्थ
अ + आ = आ	गोल	+	आकार	= गोलाकार	न्याय	+	आलय = न्यायालय
	शरण	+	आगत	= शरणागत	देव	+	आलय = देवालय
आ + आ = आ	वार्ता	+	आलाप	= वार्तालाप	दया	+	आनंद = दयानंद
	महा	+	आलय	= महालय	महा	+	आशय = महाशय
इ + इ = ई	रवि	+	इंद्र	= रवींद्र	कवि	+	इंद्र = कवींद्र
	अभि	+	इष्ट	= अभीष्ट	मुनि	+	इंद्र = मुनींद्र
ई + इ = ई	रजनी	+	इंदु	= रजनींदु	मही	+	इंद्र = महींद्र
	पत्नी	+	इच्छा	= पत्नीच्छा	नारी	+	इंदु = नारींदु
इ + ई = ई	कवि	+	ईश्वर	= कवीश्वर	कपि	+	ईश = कपीश
	रवि	+	ईश	= रवीश	अवनि	+	ईश = अवनीश
ई + ई = ई	नदी	+	ईश	= नदीश	सती	+	ईश = सतीश
	नारी	+	ईश	= नारीश	रजनी	+	ईश = रजनीश
उ + उ = ऊ	भानु	+	उदय	= भानूदय	लघु	+	उत्तर = लघूत्तर
	गुरु	+	उपदेश	= गुरूपदेश	लघु	+	उत्तम = लघूत्तम
ऊ + उ = ऊ	वधू	+	उत्सव	= वधूत्सव	भू	+	उत्सर्ग = भूत्सर्ग
उ + ऊ = ऊ	सिंधु	+	ऊर्मि	= सिंधूर्मि	भानु	+	ऊर्जा = भानूर्जा
ऊ + ऊ = ऊ	भू	+	ऊर्जा	= भूर्जा	वधू	+	ऊर्मि = वधूर्मि

) **गुण संधि**–अ/आ का मेल इ/ई से होने पर ए; उ/ऊ से होने पर ओ तथा ऋ से होने पर अ हो जाता है। इसे **गुण संधि** कहते हैं; जैसे–

अ + इ = ए	स्व	+	इच्छा	= स्वेच्छा	वीर	+	इंद्र = वीरेंद्र
अ + ई = ए	परम	+	ईश्वर	= परमेश्वर	नर	+	ईश = नरेश
आ + इ = ए	यथा	+	इष्ट	= यथेष्ट	महा	+	इंद्र = महेंद्र
आ + ई = ए	महा	+	ईश्वर	= महेश्वर	लंका	+	ईश = लंकेश

**** Learn all the examples and write in your Hindi Grammar Copy with neat and clean handwriting.**